पूर्व राज्यपाल श्री भगवत दयाल शर्मा का भाषण

21 मार्च 1983

विधानसभा के इस सत्र में आप सबका स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता है।

पिछले सत्र में मेरे शासन ने अनेक लोक कल्याण और आर्थिक विकास के कार्यक्रमों की रूपरेखा आपके सामने रखी थी। मुझे खुशी है कि इन कार्यक्रमों पर चुस्ती से अमल हुआ है। मैं यहां कुछ ऐसे कार्यक्रमों की उपलब्धियों का उल्लेख करना चाहूंगा।

बीस सूत्री कार्यक्रम पर प्रभावी अमल के लिये मेरे शासन ने संकल्पित प्रयास किये हैं। इस वर्ष प्रत्येक सूत्र के अंतर्गत वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है और उन्हें पाने के लिये प्रभावी कदम उठाये गये हैं। प्रदेश स्तरीय समिति ने सूत्र के अंतर्गत वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है और उन्हें पाने के लिये प्रभावी कदम उठाये गये हैं। प्रदेश स्तरीय समिति ने सूत्र के आधार पर प्रभारी मंत्रियों के अधीन उप समितियां बनायी हैं जो संबंधित सूत्र के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिये की जा रही कार्रवाही की समीक्षा कर अधीनस्थ समितियों और अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दे रही हैं। विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में विकासखंड अंतिम प्रशासनिक इकाई है। इसे दोते हुए राजस्व निरीक्षक स्तर पर गठित जन समितियां बनाने का निर्णय लिया गया है। इस समितियों को वे सारे अधिकार होंगे जो राजस्व निरीक्षक स्तर पर समिति को दिये गये थे।

माननीय सदस्यों को यह जानकर हर्ष होगा कि वर्ष उन्नीस सौ बयासी में कानून और व्यवस्था की स्थिति पूरी तौर पर नियंत्रण में रही और साम्प्रदायिक स ाव का वातावरण बना रहा।